PL-1601030101041000 Seat No. _____

B. A. (Sem. IV) (CBCS) Examination

September - 2020

Hindi : Paper-10

Hindi Sahitya Kaitihas Bhaktikal Ritikal

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) कुल पाँच प्रश्न है ।
(२) सभी अंक समान है ।
(३) प्रश्नों के अंक दाहिनी ओर लिखे हुए है ।

१ भक्तिकालीन ज्ञानमार्गी काव्यधारा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

१ रामभक्ति काव्यधारा का परिचय देते हुए प्रमुख विशेषताओं की विस्तृत चर्चा कीजिए । १४

२ ''भक्तिकाल को हिन्दी के इतिहास का स्वर्णयुग कहा गया है ।'' क्यों और कैसे आप सिद्ध कीजिए । १४

अथवा

२ कृष्णभक्ति धारा की प्रवृत्तियों स्पष्ट करते हुए सुरदास की साहित्य साधना पर अपने विचार दीजिए । १४

३ 'रीतिकाल' के नामकरण की चर्चा करते हुए इस युग की परिस्थितियों की सविस्तार चर्चा कीजिए । १४

अथवा

३ 'रीति' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए रीतिकालीन विभिन्न काव्यधाराओं का विस्तृत परिचय दीजिए । १४

४ रामभक्ति धारा के प्रवर्तक तुलसीदास के योगदान की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

४ रातिषद्द काव्यधारा के प्रमुख कवि बिहारी के साहित्यिक योगदान समीक्षा कीजिए । १४

५ संक्षेप में टिप्पणी लिखिए । (किन्ही **दो**) १४

(१) ज्ञानमार्गीधारा के प्रवर्तक कबीर

(२) अष्टछाप के प्रमुख कवि

(३) रीतिमुक्तधारा के प्रवर्तक घनानंद

(४) रीतिबद्दधारा के प्रवर्तक केशव